

हेम संस्कृत प्रवेशिका 'प्रथमा'

प्र. १ नीचेना प्रश्नोना जवाब लखी । गमे ते - १० २५ मार्क्स

(१) अ ना धतां विकारी ( फेरफार ) सौदाहरण समजावो । पाठ क्रमांक पूर्वक

(२) न नो ण तथा स् नो ष् क्यारे न धाय ते सौदा. समजावो ।

(३) अलिङ्ग नामो जणावी अव्ययनो श्लोक लखी

(४) चार कालना स्वरादि - स्वरांत प्रत्यय कैटला ते जणावी द्वितीया, तृतीया अने पंचमी  
क्यारे - क्यारे धाय ते बहारना सौदाहरण लखी

(५) कया अक्षर पछी कयो अक्षर आवे तो पूर्वनानी द

" " " " " " " " न्

" " " " " " " " स् धाय ते सौदाहरण लखी ।

(६) नाम् प्रत्यय पर छतां समाजनो स्वर क्यारे दीर्घ न धाय ?

द्वि. ष. व. " नी साथे " " " " तथा र. पछी स होवा

छतां र. नो स् क्यारे न धाय ते सौदा. समजावो ।

(७) धातु, तद्धित, अन्वादेश, संख्यावाचक, विकरणप्रत्यय, गण अने नासिक्य  
शब्दो अर्थ समजावो ।

(८) अस् ग. २ ना व्यंजनादि - व्यंजनांत रूपो कैटला ? ते जणावी पा. २५-५ आ,  
३४-३ आ बै नियम सुस्पष्ट समजावो ।

(९) अपादाननो अपवाद, पाठ ३२-१ आ नो अपवाद तथा १४-६ नो अपवाद समजावो ।

(१०) पदने अव्यय करनार प्रत्ययों जणावी, तृय अने तृन् नो तफावत समजावी नियमावेना  
थयेल संध्यक्षरना आव् नो दाखलौ लखी ।

(११) इत् विनाना कृत् प्रत्ययों लखी पा. ३७/७ नो अपवाद उदा. पूर्वक लखी ।

प्र. ३ नीचेना रूपो ओलखवावी, साधानेका करी अर्थ लखी, गमे ते - ५ ४ मार्क्स

(१) ओष्येत (२) दुरोहेः (३) उद्धृत्य

(४) अन्वैक्ष्यामहि (५) उच्छ्रीयतु

(क) नीचेना धातुना कर्तरि रूपो लखी, गमे ते ५

१० मार्क्स

(१) उद् + छ्वे उ.पु. (२) प्र + स्था - ३.पु. (३) दुस् + अर्थ १.पु.

(४) निस् + राज् एक. व. व. (५) पश + ईक्ष् उ.पु. (६) वि + ऋध् ३.पु.

(क) नीचेना धातुना कर्माणि रूपो लखी, गमे ते - ५

१० मार्क्स

(१) वि + सम् + वद् - उ.पु. (२) उद् + प्रच्छ् - २.पु. (३) निस् + अस् - १.पु.

(४) उद् + स्मृ १.पु. (५) उद् + ह् - एक. व. व. (६) सम् + सान्त्व् उ.पु.

(ड) नीचेना शब्दोना रूप लखी, गमे ते - ५

१० मार्क्स

(१) स्वामिन् - पु. १, ३, ५, ७ नपुं. २, ४, ६, ८ स्त्री. एक. व. व.

(३) अदस् - पु. एक. व. व, स्त्री. 1, 3, 5, 7

(३) किम् + अपि - पु. एकवचन, चित् साथे स्त्री. एक. व. व.

(५) सर्पिस् - एक. बहु. व.

(५) सुराभि - त्रणे लिंग - एक. व. (६) षष्टि तथा त्रिंशत्

प्र. ३ (अ) नीचेना मीटे धालुओ तथा शब्दो लखौ, गमे ते १०  $7\frac{1}{2}$  मार्क्स

(१) स्थान (168 - आस्पद विना) (२) कारण (161 - कारण विना)

(३) घर (159 - गृह विना) (५) दुःख (157 - दुःख-विपत्ति विना)

(५) ओलंगवुं (156) (६) मुरकेल (153)

(७) सारु (147 - साधु-शौभन विना) (८) वर्तन (137)

(९) स्नेह (134 - स्नेह-प्रेम विना) (10) खुश थुं (113)

(11) निरंतर (94 - सदा सदैव विना) (12) दीपुं (94 - काश विना - 86)

(ब) नीचेना समासोनो विग्रह करी अर्थ लखौ, गमे ते - 5  $12\frac{1}{2}$  मार्क्स

(१) अनिष्टाम् (२) सर्वाः (३) सध्याचारया

(५) आत्मना (६) लख्खप्सरोदेवानि (द्वन्द्व विना)

(६) क्षयन्मूर्धधिरिणि (७) सन्नध्ययनोद्यमानि

प्रश्न ५ (अ) नीचे ना वाक्यों नो अन्वय करी अर्थ लखो, गमे ते 3 9 मार्क्स

(१) (1) अद्यैक्ष्यतस्यार्थाचारो राजनार्यया (२) भवति भवती भवन्ति

(३) सन्नोऽत्रास्त्यहन्त्वन्नोन्मूलयारक्ष

(५) सन्नावीक्ष्येष्टवसारात्ययामेदानीम्

(ब) नीचेना वाक्योनुं ससन्धि लखौ 6 मार्क्स

(1) 440 श्रावको 7 देवाससमां 105 प्रभुजीनी हर्षसाहित मूजा करता हता (कृदन्त)

तेओने जोईने 4 साधुजी तथा 4 साध्वीजी असन्न थया ।

(२) प्रथमा ने अमे आनंदथी पण उतावल थी भण्या, तेनी परीक्षा आवते छते अमे तेना

भयथी धुजी उह्या कारणके तेमां समास - कृदन्त अने रूपी तथा 8 पाठो कठीन हता ।

98 + 2 असश्नुद्धि ना

कुल 100 मार्क्स

जवाब - प्र. १ (५) २। (५) 124, 191, (34, 4, 5)

(8) 12